3 Days State Level SIP
(Hybrid Mode)
on
"Field Projects Formation & Report Writing

SPONSORED BY MPHEQIP

Organised Under the joint auspices of Department of Economics and Sociology
Govt. Tulsi College, Anooppur (M.P.)

Dr. J. K. Sant
Principal

Preeti Vaishya
Convener

Dr. Sakharam Mujalde
Associate Professor
(Economics)
School of Economics
Devi Ahilya University,
Indore M.P.

Dr. Mahesh Bansia
Asstt.Professor(Economics)
Govt.College, Soyat Kala
District: Agar Malwa

Ankit Kumar Suryavanshi
Asstt. Professor (Economics)
Government College,
Narayavali District: Sagar

Day 2
Google meet
On 27 Dec 2022
At Noon - 12.00 to 2.00 pm

Join us by the link https://meet.google.com/gip-govj-ivq

अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग

के संयुक्ततत्वाधान में

तीन दिवसीय छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम

(हाइब्रिड मोड)

विषय - "फील्ड परियोजना निर्माण एवं रिपोर्ट लेखन"

(दिनांक :- 26 - 28 दिसंबर 2022)

प्रतिवेदन

दिनांक 26 से 28 दिसंबर 2022 तक उच्च शिक्षा विभाग,मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना,विश्वबैंक द्वारा वित्तपोषित फील्ड परियोजना निर्माण एवं रिपोर्ट लेखन विषय पर तीन दिवसीय विद्यार्थी उन्मुखीकरण कार्यक्रम (3 Days SIP on Field Projects) का आयोजन अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य के संरक्षण में किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में मार्गदर्शक एवं व्यवस्थापक के रूप में डॉ. अमित भूषण द्विवेदी, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र का योगदान महत्वपूर्ण रहा । कार्यक्रम का संयोजकत्त्व प्रीति वैश्य (सहा.प्राध्यापक ,अर्थशास्त्र) तथा सह-संयोजन क्रमशः ज्ञान प्रकाश पांडेय (विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र) तथा शाहबाज़ खान,(सहा. प्राध्यापक ,वाणिज्य) के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. देवेंद्र सिंह बाग़री सहित कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के सहायक प्राध्यापकों व्याख्याताओं के रूप में विशेष सहयोग का प्राप्त हुआ। आयोजन समिति में सदस्य के रूप में डॉ. तरन्नुम सरवत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कई दृष्टियों से यह कार्यक्रम गुणवत्ता के प्रत्येक पैमाने पर सफल रहा है-

- महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष की वास्तविक क्षमता सीमित है तथा अतिरिक्त कुर्सियों की व्यवस्था करने पर यह अधिकतम 90 तक बढ़ाई जा सकती है। इसका एक अर्थ यह भी है कि एक समय पर इस संख्या से अधिक विद्यार्थियों को हम लाभ नहीं पहुँचा सकते।
- डॉ. अमित भूषण द्विवेदी के सुझाव पर कार्यक्रम के आयोजन समिति ने इस बात को ध्यान में रखते हुए कि अब महाविद्यालय के तीनों स्मार्ट कक्षों में इंटरनेट की सुविधा का प्रयोग करते हुए तय किया कार्यक्रम को ऑनलाइन कराए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही आयोजन की रिकॉर्डिंग कर e-content तैयार करने का निर्णय लिया गया।
- इस व्यवस्था के अनुरूप द्वितीय दिवस में गूगल मीटिंग द्वारा विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं तृतीय दिवस के व्याख्यानों का फेसबुक लाइव द्वारा स्मार्ट क्लासेज में प्रसारण किया गया, जिससे एक ही समय पर(Real time) एक साथ 250 से अधिक विद्यार्थियों को तथा गूगल मीटिंग लिंक में भी लगभग 100 विद्यार्थियों को जोड़ा जा सका ।
- इसका महत्व इस दृष्टि भी अत्यधिक है कि NEP 2020 के अंतर्गत फील्ड परियोजना पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर पहले से ही चतुर्थ सेमेस्टर में डिग्री के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम है।
- शहबाज़ खान के इस सुझाव के अनुसार कि कार्यक्रम का लाभ अधिक विद्यार्थियों को प्राप्त होना चाहिए, इसे दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन हाइब्रिड मोड होना चाहिये।

- यह देखते हुए की इस SIP को अन्य संकाय के विद्यार्थियों से सम्पर्क को आसान करने के लिए गूगल क्लासरूम आधारित पंजीकरण प्रक्रिया को अपनाया गया। परिणाम स्वरूप महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 280 छात्र-छात्राओं ने SIP में रुचि दिखाई और गूगल क्लासरूम जॉइन किया।
- इस तीन दिवसीय कार्यक्रम को 9 तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। कार्यक्रम के पहले और तीसरे दिन के व्याख्यानों की व्यवस्था महाविद्यालय के आंतरिक संसाधनों का प्रयोग करके की गई जबकि कार्यक्रम के दूसरे दिन के व्याख्यान की व्यवस्था गूगल मीटिंग के द्वारा राज्य स्तरीय वक्ताओं की सहयोग से की गई।
- कार्यक्रम का आयोजन पहले दिन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.जे.के.संत के संरक्षण में दीप प्रज्जवलन के साथ आरम्भ हुआ। कार्यक्रम के आरम्भ में प्रीति वैश्य(संयोजक) के द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।
- इस अवसर पर इस तीन दिवसीय SIP का उद्घाटन कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.संत ने इस नवोन्मेषी कार्यक्रम के आयोजन के लिए दोनों विभागों के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि यदि ऑनलाइन तकनीकी माध्यमों के प्रयोग से अधिकाधिक विद्यार्थियों को लाभ पहुचाया जा सकता है तो उसे अवश्य अपनाया जाना चाहिए।

प्रथम दिवस (26 दिसंबर 2022) -

कार्यक्रम के पहले दिन चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का पहला तकनीकी सत्र डॉ. अमित भूषण द्विवेदी द्वारा परियोजना के चरण और आरंभिक निर्देशों को बताने के साथ आरम्भ हुआ।

कार्यक्रम के दूसरे तकनीकी सत्र में महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक संगीता बासरानी ने 'परियोजना हेतु शीर्षक चुनाव' विषय पर अपना प्रेजेंटेशन दिया गया। तकनीकी सत्र तीन में, महाविद्यालय की वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आकांक्षा राठौर के द्वारा आंकड़ों के संग्रह एवं विश्लेषण पर प्रस्तुत किया गया। तकनीकी सत्र चार को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के गणित विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. गीतेश्वरी पांडेय ने परियोजना लेखन विषय पर अपना प्रेजेंटेशन दिया गया। कार्यक्रम के पहले दिन 95 विद्यार्थी प्रत्यक्ष रुप से लाभान्वित हुए।

तृतीय दिवस (27 दिसंबर 2022) -

कार्यक्रम के दूसरे दिन तकनीकी सत्र 6,7 एवं 8 का आयोजन गूगल मीटिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय वक्ताओं के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। तकनीकी सत्र पाँच को देवी अहिल्या विश्विविद्यालय, इंदौर के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के अर्थशास्त्र विषय के सह-प्राध्यापक डॉ. सखाराम मुजाल्दे ने 'फील्ड परियोजना कार्य के आरंभिक परिचय' पर अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी परियोजना कार्य को हल्के में लेने के बजाय सीखने की चुनौती के रूप में इसे स्वीकार करें।

तकनीकी सत्र दो को शासकीय महाविद्यालय, नरयावली,सागर के अर्थशास्त्र विषय के सहायक प्राध्यापक डॉ. अंकित सिंह सूर्यवंशी ने आंकड़ों का संग्रह एवं विश्लेषण पर व्याख्यान देते हुए कहा कि परियोजना से लेकर अनुसंधान तक कि यात्रा में आंकड़ों का संग्रह एवं विश्लेषण एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

तकनीकी सत्र 7 को शासकीय महाविद्यालय सोयतकला के प्रभारी प्राचार्य एवं अर्थशास्त्र विषय के सहायक प्राध्यापक डॉ. महेश बंसिया ने परियोजना प्रतिवेदन प्रारूप पर उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों एवं प्रारूपों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन का संचालन कार्यक्रम की संयोजक प्रीति वैश्य तथा आभार डॉ. अमित भूषण द्विवेदी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन के संबंध में उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि इसमें 200 छात्र छात्राओं को महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष तथा स्मार्ट कक्ष संख्या 18 एवं 25 लाइव प्रसारण करके जोड़ा गया जबकि 65 विद्यार्थी गूगल मीटिंग लिंक में भी जुड़े हुए थे।

गूगल मीटिंग पर विशेषज्ञों के व्याख्यान

स्मार्ट कक्ष संख्या 18 में लाइव प्रसार

गूगल मीटिंग लिंक

https://meet.google.com/gip-govj-jvq

तृतीय दिवस (28 दिसंबर 2022) -

कार्यक्रम के तीसरे दिन दिनाँक 28 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष में तकनीकी सत्र आठ एवं नौ का आयोजन महाविद्यालय के आंतरिक संसाधनों का प्रयोग करके किया गया। तकनीकी सत्र आठ को संबोधित करते हुए ज्ञान प्रकाश पांडेय ने साहित्य का संग्रह एवं साहित्य की समीक्षा विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतिम सत्र को शाहबाज़ खान ने संबोधित करते हुए संदर्भ सूची निर्माण करने की APA और MLA विधियों को सिखाया । तीसरे दिन के कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता यह रही कि तीसरे दिन के व्याखयान को fb live करके उसका प्रसारण महाविद्यालय के स्मार्ट कक्ष में किया गया। कार्यक्रम के तीसरे दिन भी 180 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। यदि तीनों दिनों की सकल विद्यार्थी प्रतिभागिता को देखा जाय तो यह संख्या 540 से अधिक है। 70 की वास्तविक और 90 की विस्तारित क्षमता प्रतिबंधों के रहते हुए के सापेक्ष इस कार्यक्रम से 540 से अधिक विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए है। यह जो आशातीत सफ़लता हमें प्राप्त हुई है वह बेहतर ICT का ज्ञान एवं उपलब्धता तथा हाइब्रिड पद्धतियों के ज्ञान के वजह से संभव हो पाया है।

- इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में और तकनीकी सहयोग प्रदान करने में अर्थशास्त्र विभाग के आर्थिक परिषद के छात्र मेंटर एवं मेंटिस का योगदान उल्लेखनीय रहा है।
- इस तीन दिवसीय SIP के समस्त आयोजनों में कुल 9 प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन हुआ जिसमें से 8 पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन आधारित हुए। इन सभी पावर पॉइंट को विद्यार्थियों के साथ गूगल क्लासरूम में सांझा किया गया है।
- इस कार्यक्रम के वीडियोज को अर्थशास्त्र विभाग के यूट्यूब चैनल तुलसी ज्ञानधारा(Tulsi Gyandhara) पर देखा जा सकता है। कार्यक्रम के तीसरे दिन के वीडियो को महाविद्यालय के fb id(gtcanooppur) पर देखा जा सकता है।
- SIP की एक अन्य विशेषता इसका प्रमाण पत्र आधारित होना भी है। प्रमाण पत्र हेतु विद्यार्थियों के लिए अधिकांश सत्रों में अनिवार्य उपस्थिति के साथ Assignment के दो प्रश्नों के उत्तर लिखकर विभाग द्वारा प्रतिभागियों से मांगे गए है। Assignment के आ जाने पर इस बात का अंदाजा लगाया जा सकेगा कि 540 सकल विद्यार्थी प्रतिभागिता के सापेक्ष अधिगम परिलब्धियां कितनी है।
- फिर भी यह कार्य्रकम न्यूनतम संसाधनों के साथ अधिकतम प्रतिभागिता की दृष्टि से गुणवत्ता के प्रत्येक पैमाने पर उल्लेखनीय रूप से सफल रहा है।
- इस कार्यक्रम के सफलता के पीछे समस्त महाविद्यालय परिवार के साथ-साथ समस्त आयोजन समिति पात्र है।

Fb id (gtcanooppur) & links

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=1673692886362173&id=100045502399397

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=892627625094326&id=100045502399397

Youtube(Tulsi Gyandhara) link- https://youtu.be/HQbWC1MssY

शाहबाज़ खान द्वारा संदर्भ सूची निर्माण करने की APA और MLA विधियों पर व्याख्यान

Facebook पर live प्रसारण

स्मार्ट कक्ष संख्या 25 में लाइव प्रसार

ज्ञान प्रकाश पांडेय द्वारा "साहित्य का संग्रह एवं साहित्य की समीक्षा" पर व्याख्यान

विद्यार्थी फील्ड परियोजना को बोझ नही बल्कि सीखने की चुनौती के रूप में स्वीकार करें-डॉ.सखाराम मुजाल्दे

अनूपपुर (ब्यूरो) जिले के अग्रणी शासकीय तुलसी महाविद्यालय में मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना द्वारा प्रायोजित तथा अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रकार्य परियोजना निर्माण एवं प्रतिवेदन लेखन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह कार्यक्रम 26 से 28 दिसम्बर 2022 के मध्य आयोजित किया गया।इसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य और संरक्षक डॉ.जे.के.सन्त द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम हायब्रिड मोड (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन) पर आयोजित किया गया।

प्रथम दिवस महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा ऑफलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया,जिसमें इस प्रशिक्षण के सूत्रधार एवं व्यस्थापक डॉ. अमित भूषण द्विवेदी ,विभागा ध्यक्ष अर्थशास्त्र, डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ,विभागाध्यक्ष गणित, डॉ.आकांक्षा राठौर सहायक प्राध्या पक वाणिज्य एवं प्रो.संगीता बासरानी ,सहायक प्राध्यापक जंतुविज्ञान ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति देकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.सखाराम मुजाल्दे द्वारा विद्यार्थियों को परियो जना के प्रारंभिक चरणों को बताया गया एवं उन्होंने कहा कि छात्र परियोजना को एक अवसर समझें न कि बोझ।दूसरे दिन के अन्य वक्ताओं में डॉ. अंकित सिंह सूर्यवंशी,सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र शासकीय महाविद्यालय नरयावली, सागर ने तथ्यों के संकलन एवं उनके विश्लेषण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।जबकि डॉ.महेश बंसिया सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय सोयतकला ने प्रतिवेदन लेखन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन शासकीय तुलसी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक शाहबाज खान ने संदर्भ लेखन और ज्ञान प्रकाश पाण्डेय ने साहित्य समीक्षा विषय पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में कुल 500 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम की संयोजकत्त्व प्रो.प्रीति वैश्य, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने किया।कार्यक्रम के सफल आयो जन में महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयो जक डॉ.देवेंद्र सिंह बागरी,डॉ.तरन्नुम सरवत, डॉ.नीरज मिश्र का विशेष योगदान रहा।

विद्यार्थी फील्ड परियोजना को बोझ नहीं बल्कि सीखने की चुनौती के रूप में स्वीकार करें-डॉ. सखाराम मुजाल्दे

■ अनूपपुर, (नव स्वदेश)।

जिले के अग्रणी शासकीय तुलसी महाविद्यालय में मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना द्वारा प्रायोजित तथा अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रकार्य परियोजना निर्माण एवं प्रतिवेदन लेखन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह कार्यक्रम 26 से 28 दिसम्बर 2022 के मध्य आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य और संरक्षक डॉ. जे.के. सन्त द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम हायब्रिड मोड (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन पर आयोजित किया गया।

प्रथम दिवस महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा ऑफलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें इस प्रशिक्षण के सूत्रधार एवं व्यस्थापक डॉ. अमित भूषण द्विवेदी, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय, विभागाध्यक्ष गणित डॉ. आकांक्षा राठौर सहायक प्राध्यापक वाणिज्य एवं प्रो. संगीता बासरानी, सहायक प्राध्यापक जंतुविज्ञान ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति देकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सखाराम मुजाल्दे द्वारा विद्यार्थियों को परियोजना के प्रारंभिक चरणों को बताया गया एवं उन्होंने कहा कि छात्र परियोजना को एक अवसर समझें न कि बोझ। दूसरे दिन के अन्य वक्ताओं में डॉ. अंकित सिंह सूर्यवंशी, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र शासकीय महाविद्यालय नरयावली, सागर ने तथ्यों के संकलन एवं उनके विश्लेषण विषय पर व्यख्यान प्रस्तुत किया। जबकि डॉ. महेश बंसिया सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय सोयतकला ने प्रतिवेदन लेखन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन शासकीय तुलसी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक शाहबाज़ खान ने संदर्भ लेखन और ज्ञान प्रकाश पाण्डेय ने साहित्य समीक्षा विषय पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में कुल 500 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम की संयोजकत्त्व प्रोण्प्रीति वैश्य, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. देवेंद्र सिंह बागरी, डॉ. तरन्नुम सरवत, डॉ. नीरज मिश्र का विशेष योगदान रहा।